



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 13 जनवरी, 2022

डॉ. एस सोमनाथ

प्रख्यात रॉकेट वैज्ञानिक एस. सोमनाथ को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का अध्यक्ष और अंतरिक्ष सचिव नियुक्त किया गया है। एस. सोमनाथ कैलासवादेवु सविन की जगह लेंगे, जो शुक्रवार को अपना वसितारति कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। डॉ. सोमनाथ लॉन्च व्हीकल डज़ाइन सहित कई वषियों के विशेषज्ञ हैं। उन्हें लॉन्च व्हीकल ससिस्टम इंजीनियरिंग, सट्टरकचरल डज़ाइन, सट्टरकचरल डायनामिक्स, इंटीग्रेशन डज़ाइन और प्रोसेड्योर, मेकैनिज़्म डज़ाइन तथा पायरोटेक्नीक में महारत हासिल है। वर्तमान में डॉ. एस सोमनाथ केरल के त्रिवनंतपुरम में वकिरम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSV) के निदेशक हैं। अपने करियर की शुरुआत में वह पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (PSLV) के इंटीग्रेशन के दौरान टीम लीडर थे। डॉ. सोमनाथ एक ऐसे महत्त्वपूर्ण मोड़ पर इसरो की बागडोर संभाल रहे हैं, जब इस अंतरिक्ष एजेंसी की आगे की यात्रा को परभाषित करने के लिये व्यापक सुधार और महत्त्वपूर्ण मशिन निर्धारित हैं। वचिार यह है कि अंतरिक्ष पारस्थितिकी तंत्र अधिक जीवंत, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और आत्मनिर्भर बनना चाहिये। ऐसे समय में जब IN-SPACe एक नए मॉडल को परभाषित कर रहा है, जसि हमारी अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का वसितार करने के लिये भी डज़ाइन किया गया है, इसे आगे बढ़ाने की ज़िम्मेदारी नए अध्यक्ष की होगी। इसरो वर्ष 2022 में गगनयान मशिन की योजना पर कार्य कर रहा है, इस मशिन में भारत स्वयं के बल पर 3 भारतीयों को अंतरिक्ष में भेजने की योजना बना रहा है। इस योजना की सफलता के पश्चात् इसरो इस मशिन को जारी रखना चाहता है। इस परंपरेकष्य में भारत को स्वयं के अंतरिक्ष स्टेशन की आवश्यकता है। भारत ने वर्ष 2017 में ही स्पेस डॉकगि जैसी तकनीक पर शोध करने के लिये बजट का प्रावधान किया था। ऐसे महत्त्वपूर्ण मशिनों को आगे ले जाने की ज़िम्मेदारी भी नए अध्यक्ष के समकष होगी।

लोहड़ी

भारत में फसल कटाई त्योहार को मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल, भोगली बह्नि, उत्तरायण और पौष पर्व जैसे विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। लोहड़ी उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध त्योहार है। यह मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाया जाता है। लोहड़ी पौष के अंतिम दिन सूर्यास्त के बाद (माघ संक्रांति से पहली रात) मनाया जाता है। यह प्रायः 12 या 13 जनवरी को पड़ता है। यह मुख्यतः पंजाब का पर्व है, यह द्योतारथक (एकरॉस्टिक) शब्द लोहड़ी की पूजा के समय व्यवहृत होने वाली वस्तुओं के द्योतक वर्णों का समुचय होता है, जसिमें ल (लकड़ी) +ओह (गोहा = सूखे उपले) +ड़ी (रेवड़ी) = 'लोहड़ी' के प्रतीक हैं। इसको मनाने के दौरान रात्रि में खुले स्थान पर परिवार और आस-पड़ोस के लोग मलिकर आग के किनारे घेरा बना कर बैठते हैं। इस दौरान रेवड़ी, मूँगफली आदि खाए जाते हैं।

राष्ट्रीय नवाचार सप्ताह

प्रगतशील भारत के 75वें वर्ष, 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय (एमओई), अखलि भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और वाणजिय एवं उद्योग मंत्रालय (डीपीआईआईटी) संयुक्त रूप से 10 जनवरी से लेकर 16 जनवरी 2022 तक 'राष्ट्रीय नवाचार सप्ताह' का आयोजन कर रहे हैं। यह नवाचार सप्ताह शिक्षा मंत्रालय का प्रतीकात्मक सप्ताह भी है। यह नवाचार सप्ताह भारत में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस दशिया में जागरूकता फैलाने के लिये इन एजेंसियों द्वारा की गई विभिन्न पहलों को रेखांकित करेगा। 10 जनवरी से शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय नवाचार प्रतियोगिता, स्मार्ट इंडिया हैकथॉन, युक्ता 2.0 और टॉयकैथॉन जैसे विभिन्न कार्यक्रमों से चुनी गई 75 नवीन प्रौद्योगिकियाँ ई-प्रदर्शनी में भाग लेंगी और अपने नवाचारों का प्रदर्शन करेंगी। इस प्रदर्शनी के साथ-साथ 11 और 12 जनवरी के लिये निर्धारित पूरे दिन की गतिविधियों में उच्च शिक्षा संस्थानों और स्कूलों में नवाचार एवं उद्यमिता से संबंधित उभरते कषेत्रों के बारे में कई महत्त्वपूर्ण व्याख्यान सत्र और पैनल चर्चा शामिल हैं। शिक्षा मंत्रालय द्वारा 11 और 12 जनवरी, 2022 को 'शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार संबंधी इकोसिस्टम के निर्माण' वषिय पर एक दो-दिवसीय ई-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में कई प्रख्यात उद्योगपति, उभरते हुए यूनिवर्सिटी के संस्थापक, निवेशक और नीति निर्माण से जुड़ी हस्तियाँ नवाचार व स्टार्ट-अप के विभिन्न पहलुओं के बारे में अपने वचिार एवं दृष्टिकोण साझा करने के लिये प्रमुख वक्ता एवं पैनलिस्ट के रूप में शामिल हुए। स्कूली बच्चों तथा युवाओं को नवाचार और उद्यमिता को करियर के विकल्प के रूप में अपनाने के लिये प्रेरित करने के उद्देश्य से शुरुआती दौर के स्टार्ट-अप के संस्थापकों व नवाचार में संलग्न छात्रों को शामिल करते हुए वषिय पैनल सत्र आयोजित किये जाएंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार और स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के हसिसे के तौर पर विभिन्न हतिधारकों को नवाचार के प्रति संवेदनशील और उन्मुख बनाना है।

मणपुरि को त्रपुरि से जोड़ने वाली पहली जनशताब्दी एक्सप्रेस

संपूर्ण पूर्वोत्तर के लिये एक एतहासिक उपलब्धि के तहत मणपुरि राज्य को असम के रास्ते त्रपुरि से जोड़ने वाली पहली जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन को 8 जनवरी, 2022 को वीडियो लकि के माध्यम से रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा रवाना किया गया। यह ट्रेन सेवा अगरतला से सलिचर (अरुणाचल स्टेशन के पास) और जरिबिम तक यात्रा के समय को कम करेगी। यह ट्रेन सेवा पूर्वोत्तर कषेत्र के व्यापार और पर्यटन को काफी बढ़ावा

देगी। यह ट्रेन दो राज्यों की संस्कृति को जोड़ने वाली कड़ी है। इम्फाल-मोरेह रेल खंड एक रणनीतिक लाइन होगी, जिससे भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच संबंधों में वृद्धि होगी। लगभग 300 किलोमीटर दूरी के यात्रा समय को ट्रेन आधे से कम कर देगी, जबकी 2 घंटे के सड़क मार्ग के मुकाबले यात्रा समय लगभग 06 घंटे का होगा। जनशताब्दी ट्रेन अब मणिपुर के लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं हेतु त्रिपुरा जाने के लिये सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी तथा त्रिपुरा के लोगों को क्षेत्र की समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिये व्यापार, पर्यटन आदि हेतु मणिपुर जाने का भी अवसर मलैगा।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-13-january-2022>

